

मेरे नैना विच्च सतगुरु आन वसेया नयन खोला किवें

मेरे नैना विच्च सतगुरु आन वसेया, नयन खोला किवें
नयन खोला किवें, खोला किवें, खोला किवें, नयन खोला किवें

नयन खोलदे ते लोकी मेनू पुछदे, हां पुछदे
कित्थे रखेया इ लाल नु लको के, हां लको के,
एह सुन के मैं पलका नु होर दबया, नयन खोला किवें

राती सुपने दे विच सतगुरु आ गए, हां आ गए
मेरी मांग विच्च सुहा रंग पा गए, हां पा गए
मैं ता हो गयी सुहागन अंग अंग रंगेया, नयन खोला किवे

मेनू सतगुर ने चुन्नी दिक्ती ज्ञान दी, हां ज्ञान दी
मैं ता ला लई किनारी ओहदे नाम दी, हा नाम दी
चुन्नी ले के मेरा तन मन खूब नचेया, नयन खोला किवे

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1603/title/mere-naina-vich-satguru-aan-vaseya-nain-khola-kive>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |